(K-4004)

LL.B. IV Sem. Examination, May, 2017

Criminology and Penology

Time : Three Hours] **[M.M.: 100**

नोट : सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए। Attempt all the Sections as per instructions.

खण्ड-अ (Section-A)

Note: सभी पाँच प्रश्नों हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है।

Attempt all the five questions, Each question carries 4 marks. Very short answer is required not exceeding 75 words.

1. भर्त्सना। Admonition.

2. सदरलैड। Sutherland.

3. लैगिक अपराध Sexual offences.

4. अपराध Crime

5. आर्थिक दशाओं का अपराधों के प्रति योगदान क्या है?

What is the contribution of economic conditions towards crime?

खण्ड-ब (Section-B)

Note: निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है।

Attempt any two questions out of the following three questions. Each question carries 10 marks, Show answer is required not exceeding 200 words.

6. अपराध व्यसन पर टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on Recidivism,

7. अपराधिक आशय पर टिप्पणी लिखिए।

Write a short note on Mens rea.

8. अपराधिक न्याय प्रशासन में पुलिस की भूमिका की विवेचना कीजिये।

Discuss the role of Police in the criminal administration of Justice,

खण्ड-स (Section-C)

Note: किन्हीं तीन प्रश्नों को विस्तृत हल कीजिए| Attempt any three questions in detail.

9. अपराध शास्त्र की परिभाषा, प्रकृति क्षेत्र एवं उपयोगिता की संक्षेप में व्याख्या कीजिये।

Discuss in brief the definition, nature, scope and utility of Criminology

10. सफेद पोश अपराध से आप क्या समझते है? यह परंपरागत अपराधों से किस प्रकार भिन्न होता है?

What do you understand by White Collar Crime? How does it differ from traditional Crimes?

11. भारतीय परिस्थितियों में मृत्यु दण्ड अपरिहार्य है। मृत्यु दण्ड के पक्ष तथा विपक्ष में अपने विचार देते हुए एक निबन्ध लिखिए।

Death Sentence is indispensable in Indian conditions: Write an essay on Death Sentence giving your view for and against it.

12. "अपराधी के उपचार की पद्धति के रुप में कारावास का दण्ड विरोधाभासी है" विवेचना कीजिये।

"Imprisonment viewed as a form of treatment of the offender is paradoxical" Comment.

13. "भारतीय कारागार प्रशासन के सुधारात्मक कार्य में बहुत पिछड़ा हुआ है। अब तक वह कैदियों को व्यक्ति के रुप में मानने में असफल रहा है और उसने एक कैदी को कारागार प्रशासन की एक ईकाई समझा है।" उपरोक्त कथन के प्रकाश में भारतीय कारागारों की मुख्य समस्याओं की समालोचना कीजिए और उनके सुधार हेतु अपने सुझाव दीजिए।

"The Indian Prison administration has lagged behind on the reformative side of Prison work. It has failed so far to regard the prisoners as an individual and has conceived of him rather as a unit in the Jail administrative machinery." In the light of above statement, discuss the main problems of Indian Prisons and give your suggestions for its improvement.